



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 204]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 1, 1983/अग्रहायण 10, 1905

No. 204] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1983/AGRAHAYANA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate pagings are given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वार्षिक भंडालय

नियंत्रित व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर 1983

विषय: 1983-84 के दौरान जीवित भैंस और जीवित भेड़ों की नियंत्रित नीति के संबंध में शर्तें।

सार्वजनिक सूचना सं. 59-ईटीसी(पीएन)/83.—अप्रैल 1983-मार्च 84 को आयात-नियंत्रित नीति (जिल्हा-2) की पृष्ठ सं. 8 पर के नीति विवरण की क्रम सं. 2 और 3 के सामने यथा संकेतित जीवित भैंस और जीवित भेड़ों की नियंत्रित नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. इस बात का सुनिश्चय करने के लिए कि केवल स्वस्थ भैंस हीं नियंत्रित किए जाते हैं निश्चय किया गया है कि जीवित भैंस और जीवित भेड़ों के वास्तविक नियंत्रण से पूर्व उन्हें न्यूनतम 21 दिन तक के लिए संगरोधन अवस्था में रखा जाएगा और इस अवधि के दौरान पशुओं का निरोक्षण किया जाएगा और टीके (वैक्सिनेशन) लगाए जाएंगे। इस

अवधि के दौरान भेड़ों को पशु-प्लेग, खुर और मुह की बीमारी और भेड़ों को होने वाली चेक से बचाने के लिए टीके लगाए जाएंगे। इसी प्रकार से भैंस को भी पशु-प्लेग, खुर और मुह की बीमारी से बचाने के लिए टीके लगाए जाएंगे और तथेविक और बूसेलिनेसिस के लिए भी उनको जांच को जाएगा।

3. तदनुसार, 1983-84 के लिए आयात-नियंत्रित नीति (जिल्हा-2) की पृष्ठ सं. 8 पर के नीति विवरण की क्रम सं. 3 के सामने के कालम-3 में निम्नलिखित उप-क्षात्र (4) की जोड़ा जाएगा।

"(4) न्यूनतम 21 दिन की अवधि के लिए भेड़ों का संगरोधन और इस अवधि के बौरान भेड़ों को पशु-प्लेग, खुर और मुह और भेड़ों को होने वाली चेक के लिए निरोक्षण किए जाएंगे और टीके लगवाये जाएंगे।

4. जहाँ तक जीवित भैंस का संबंध है उपर्युक्त कंडिका-2 में उल्लिखित शर्तें नियंत्रित (नियंत्रण) संशोधन आदेश सं. 59 (सी)

ओं 1977/एम (279) विनांक 1 दिसम्बर 1983 के अनुसार खेले गामानग नाइट्रो-3 में निविट कर दी गई है।

5. जीवित भैंस और भेड़ों के नियाति के लिए निम्नलिखित क्रियाविधि अपनाई जाएगी।

(1) जीवित भैंस और भेड़ों के नियाति की अनुमति केवल बंबई और काठिना के पत्तनों से दी जाएगी।

(2) भारत सरकार के संपूर्ण पर्यवेक्षण के अधीन संगरोधन किया जाएगा। बंबई से नियाति की जाने वाली जीवित भैंस और भेड़ों और कांडला पत्तन से नियाति की जाने वाली भैंस और भेड़ों के संबंध में जीवित पशुओं के नियाति की अनुमति देने से पूर्व संगरोध के संबंध में भारत सरकार की ओर से प्रमाणपत्र जारी करने के लिए क्रमांक: निदेशक, पशुपालन, महागढ़ या उनकी ओर से प्राधिकृत अन्य प्राधिकारी और निदेशक, पशुपालन, गुजरात या उनकी ओर से प्राधिकृत अन्य प्राधिकारी प्राधिकृत होंगे। राजस्थान राज्य के भौतिक संगरोधन में रखी गई भेड़ों के संबंध में प्रमाणपत्र निदेशक, भेड़ तथा ऊन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी किया जाएगा।

(3) जीवित भैंस और भेड़ों के नियाति करने वाले इच्छुक संगरोधन के प्रयोजन के लिए आहाता प्रदान करेंगे। विशाल संरचना से संबंधित सुविधाओं के प्रयोजन के लिए आहाते का निरीक्षण पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा के राज्य निदेशक द्वारा किया जाएगा और आहाते के निरीक्षण के पश्चात् ही उस नियाति से पूर्व संगरोधन के कार्य के प्रयोजन के लिए अनुमोदित संगरोधन स्टेशन घोषित किया जाएगा।

(4) संशोधन के अधीन सभी पशुओं की पहचान "कान पर लगे टैग" में की जाएगी। प्रमाणन प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए संगरोधन प्रमाण पत्र में "कान पर लगाने वाले टैग" की संज्ञा का उल्लेख किया जाएगा।

(5) पशुओं का टोका लगाने के लिए कर्ण टैगों और टीका द्रव्य की कीमत नियातिक देंगे।

6. उपर्युक्त कंडिका 5 में निर्धारित संगरोधन की क्रियाविधि उन मामलों में बाध्यकर नहीं होगी, जहां पर संगरोधन की सुविधाओं के बिना ही नियाति के लिए विवेशी ऋताओं ने विशेष रूप से मंत्रिदाता कर ली हैं। इस संबंध में नियातिक पत्तन पर संबंध सीमा-शुल्क प्राधिकारी का संविदा (मूल प्रति) प्रस्तुत करेंगे।

7. भेड़ों के नियाति के संबंध में परिवर्तन से पूर्व किए गए सौदे केवल उस मात्रा के लिए स्वीकार कर लिए जाएंगे। जिसके लिए नाइट्रोस प्राधिकारियों द्वारा पहले से ही लाइसेंस

जारी कर दिए गए हैं और वे नाइट्रिट साथ पत्र से मम्पित हैं। जीवित भैंस के मामले में पारिवर्तन में पूर्व किए गए सौदे 1983-84 के लिए आयात-नियाति क्रियाविधि पुस्तक की कंडिका-226 के अनुसार स्वीकार किए जाएंगे।

8. जीवित बकरियों के नियाति की अनुमति अब तक किसी भी संगरोधन और टीके से संबंध औपचारिकताओं वे बिना ही जाती रहेगी किंतु वह सामान्य चिकित्सा निरीक्षण और प्रमाणन के अधीन होगी।

[मिसिल सं. 34(4)/83-ई० 2 से जारी]  
प्र० च० जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियाति

## MINISTRY OF COMMERCE

### EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 1st December, 1983

Subject :—Export Policy of Live Buffaloes and Live Sheep during 1983-84—Conditions regarding.

Public Notice No. 59-ETC(PN)83.—Attention is invited to export policy of Live Buffaloes and Live Sheep as indicated against S. No. 2 and 3 of the Policy Statement at page 8 of Import and Export Policy April, 1983—March, 1984, (Vol. II).

2. In order to ensure that only healthy animals are exported it has been decided that Live Sheep and Live Buffaloes before actual export will be kept in Quarantine for a minimum period of 21 days during which period the animals will be subjected to inspection and vaccination. During this period the Sheep will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and Sheep pox. Similarly, buffaloes will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and will also be tested for Tuberculosis and Brucellosis.

3. Accordingly in col. 3, against S. No. 3 of the Policy Statement at page 8 of Import and Export Policy Book 1983-84 (Vol. II) the following sub-condition No. (iv) shall be added :—

"(iv)—Quarantine of Sheep for a minimum period of 21 days during which period the Sheep will be subjected to inspection and vaccination for Rinderpest, Foot and Mouth disease and Sheep Pox".

4. As regards export of Live Buffaloes, conditions mentioned in paragraph 2 above have been incorporated in OGL-3 vide Exports (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1977/AM(279) dated the 1st December, 1983.

5. The following procedure will be followed for export of Live Buffaloes and Sheep :—

- (i) Export of Live Buffaloes and Sheep shall be allowed from Bombay and Kandla ports only.
- (ii) The Quarantine would be done under the overall supervision of Government of India. The Director of Animal Husbandry, Maharashtra or any other officer authorised on his behalf for Live Buffaloes and Sheep intended to be exported from Bombay and the Director of Animal Husbandry, Gujarat or any other officer authorised on his behalf for Live Buffaloes and Sheep to be exported from Kandla port respectively are authorised to issue a certificate on behalf of Government of India in respect of quarantine, before export of live animals is allowed. Director, Department of Sheep and Wool Rajasthan, would issue certificate in respect of sheep put up in quarantine within the State of Rajasthan.
- (iii) The exporters interested to export Live Buffaloes and Sheep would offer premises for purpose of quarantine. The premises would be inspected by the State Directors of Animal Husbandry and Veterinary service for the purpose of infrastructure facilities and after examination of the premises, the same will be declared as approved quarantine stations for the purpose of undertaking quarantine prior to export.

(i) All animals subjected to quarantine would be identified by 'Ear Tag'. The number of 'Ear Tags' shall be mentioned in the certificate of the quarantine issued by the certifying authority.

(v) The exporters would pay the cost of the Ear Tags and vaccines used for the vaccination of the animals.

6. Quarantine procedure laid down in paragraph 5 above may not be insisted upon where the foreign buyers have specifically contracted for export without quarantine formalities. Exporters shall produce contract (in original) to this effect to the concerned customs authority at the ports.

7. Pre-change commitment in respect of sheep shall be honoured only for the quantities for which the export licences have already been issued by the licensing authorities and is backed by irrevocable letter of credit. In respect of Live Buffaloes pre-change commitment shall be honoured in terms of paragraph 226 of the Hand Book of Import and Export Procedure 1983-84. In case of pre-change commitment quarantine procedure shall not be applicable.

8. Export of Live Goats shall continue to be allowed without any quarantine and vaccination formalities, and would be subjected to general Veterinary Inspection and certification as hitherto.

[File No. 34(4)'83-EII]

P. C. JAIN,  
Chief Controller of Imports and Exports

